Roll No. ..... Total Pages: 04

5123

M.A. (FINAL) EXAMINATION, 2019

HINDI

Paper – III

नाटक एवं रंगमंच (Natak Evam Rangmanch)

Time: Three Hours

Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड – अ

Q.1 सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(i) 'चंद्रगुप्त' नाटक में कितने अंक हैं?

(ii) जयशंकर प्रसाद रचित इतिहासेतर नाटकों के नाम लिखिए।

(iii) 'आधे–अधूरे' नाटक के पुरुष पात्रों के नाम लिखिए।

(iv) मोहन राकेश रचित नाटकों के नाम व उनका प्रकाशन वर्ष लिखिए।

(v) 'माधवी' नाटक का पहला प्रदर्शन किसके निर्देशन में हुआ?

(vi) 'जो माँ अपने बच्चे को छाती से लगा पाये, वही स्वतन्त्र होती है।' यह कथन किसने और किससे कहा?

(vii) सुरेन्द्र वर्मा के प्रमुख नाटकों के नाम लिखिए।

(viii) 'स्त्री को समझने के लिए कभी शरीर के पार भी जाना होता है।' यह कथन किसने और किससे कहा?

(ix) किन्हीं चार समकालीन नाटककारों के नाम लिखिए।

(x) गीति नाट्य किसे कहते हैं? हिन्दी के प्रमुख गीति नाट्यों के नाम लिखिए।

खण्ड – ब

इकाई – I

Q.2 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''तुम मालव हो और यह मागध, यही तुम्हारे मान का अवसान है न? परन्तु आत्मसम्मान इतने ही से सन्तुष्ट नहीं होगा। मालव और मागध को भूलकर जब तुम आर्यावर्त का नाम लोगे, तभी वह मिलेगा। क्या तुम नहीं देखते हो कि आगामी दिवसों में आर्यावर्त के सब स्वतन्त्र राष्ट्र एक के अनन्तर दूसरे विजेता से पद–दलित होंगे।''

Q.3 'चन्द्रगुप्त' की ऐतिहासिक कथावस्तु का राष्ट्रीय संदर्भ क्या है? इस पहलू पर विचार करते हुए प्रसाद की राष्ट्रीय चेतना का उल्लेख कीजिए।

इकाई – II

Q.4 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''तुझे पता है न तूने क्या बात कही है? पता है न? तो ठीक है। आज से मैं सिर्फ अपनी जिंदगी को देखूंगी.....तुम लोग अपनी–अपनी जिन्दगी को खुद देख लेना। मेरे पास अब बहुत साल नहीं है जीने को, पर जितने हैं, उन्हें मैं इसी तरह और निभाते हुए नहीं काटूंगी। मेरे करने से जो कुछ हो सकता था, इस घर का, हो चुका आज तक। मेरी तरफ से अब अन्त है उसका–निश्चित अन्त।''

Q.5 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''वह भी देखा है। देखा है कि जिस मुट्ठी में तुम कितना कुछ एक साथ भर लेना चाहती थीं, उसमें जो था, वह भी धीरे–धीरे बाहर फिसलता गया है। कि तुम्हारे मन में लगातार एक डर समाता गया है जिसके मारे कभी तुम घर का दामन थामती रही हो, कभी बाहर का और कि वह डर एक दहशत में बदल गया जिस दिन तुम्हें एक बहुत बड़ा झटका खाना पड़ा.....अपनी आखिरी कोशिश में।''

इकाई – III

Q.6 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''तुम किस प्रलोभन में पड़ रहे हो, युवक? कल तो आत्महत्या करने जा रहे थे, और आज चक्रवर्ती राजा बनने के सपने देखने लगे हो? क्या तुम दो व्यक्तियों से विश्वासघात करोगे? अपने गुरु के साथ भी और महाराज ययाति के साथ भी? देवलोक में सभी देवता तुम्हारी ओर आँख लगाये हुए हैं कि तुम किस दिशा में अपने पाँव बढ़ाओगे।''

Q.7 अभिनेयता की दृष्टि से 'माधवी' की भाषा और संवाद योजना का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।

इकाई – IV

Q.8 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''इसलिए तो घृणा हो गयी है मुझे अपने पिता से। मैं भीष्म को दोष नहीं देता, उसकी गरज थी, उसका पक्ष लंगड़ा था, उसके सामने षड्यन्त्र के अलावा कोई रास्ता ही नहीं था.....लेकिन हमारा पिता क्यों शामिल हुआ अपनी ही संतान के खिलाफ रचे इस षड्यन्त्र में? क्योंकी उसने इतनी क्षुद्र बात? पहली बार खेद हो रहा है मुझे इतने गिरे हुए आदमी की संतान होने में। राजनीति इतना पतित बना सकती है व्यक्ति को.....''

Q.9 'आठवाँ सर्ग' के कालिदास की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

इकाई – V

Q.10 रंगमंच के विकास में जयशंकर प्रसाद के योगदान पर एक आलेख लिखिए।

Q.11 नाट्य साहित्य के विकास में समकालीन नाटकों के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

खण्ड – स

Q.12 'चन्द्रगुप्त' नाटक की गीत योजना की सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए उनकी विशेषताएँ बताइए।

Q.13 मध्यवर्गीय जीवन के परिप्रेक्ष्य में 'आधे–अधूरे' का विवेचन कीजिए।

Q.14 'माधवी' की नाट्य संरचना की विशेषताओं का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

Q.15 'कोमल गांधार' की पात्र गांधारी की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Q.16 निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(i) रेडियो नाटक

(ii) रंग शिल्प

(iii) नुक्कड़ नाटक

(iv) समकालीन नाटक और रंगमंच